Core Group For Tibetan Cause - India

National Convener
Shri Rinchin Khandu Khrimey

National Co-Convener
Dr. K.C. Agnihotri
Northern Region
Shri Surendra Kumar
Eastern Region
Shri Arvind Nikose
Western Region
Shri Amruth Joshi
Southern Region

Regional Convener
Shri Pankaj Goyal
National Capital Region
Phonsok Ladakhi
Northern Region I
Shri Rishi Kumar
Northern Region II
Shri Harjit Singh Gariwal
Northern Region III
Shri Sunderlal Suman
East & Central UP Region
Shri Ravi Bakshi
Western UP & Uttarakhand Region
Shri Sudesh Kumar Chandravanshi
Eastern Region I
Shri Pema Wangda Bhutia
Eastern Region II
Smt Ruby Mukherjee
Eastern Region III
Shri Soumyadeep Datta
Northeast Region I
Shri Lobsang Genchen
Northeast Region II
Shri S. Premananda Sharma
Northeast Region III
Shri Narender Chowdhary
North West Region
Shri Sandesh Meshram
Western Region I
Dr Mahendra Sanghpal
Western Region II
Shri J. P. Urs
South West Region
Shri Jacob David
South East Region

Coordinator
Mr. Jigmey Tsultrim

सं 3/IGCO/2020-21/11

05 जुलाई, 2020

परम पावन 14वें दलाई लामा जी का जन्मदिन

सभी सम्मानित राष्ट्रीय सह-समन्वयक, क्षेत्रीय समन्वयक और संपूर्ण भारत के इंडिया-तिब्बत सपोर्ट ग्रुप्स के सदस्यों को नमस्कार !

कोर ग्रुप फॉर तिब्बतन कॉज- इंडिया उन सभी तिब्बती शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करता है, जिन्होंने तिब्बत के लिए अपनी जान की बाजी लगा दी। कोर ग्रुप तिब्बत मुक्ति साधना की यात्रा के दौरान दिवंगत हुए और अपने पीछे साधना का पदचिह्न छोड़ गए महान आत्माओं को भी अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

आज इस पत्र को लिखने में मैं गौरव और सम्मान का अनुभव कर रहा हूं क्योंकि आज से 84 साल पहले तिब्बत के अमडो प्रांत (आज चीनी शासन के अनुसार किन्हाई प्रांत के रूप में संदर्भित) में एक बच्चे का जन्म हुआ जिसे बाद में 13वें दलाई लामा के पुनर्जन्म के तौर पर पहचाना गया।

तिब्बत में बनते गंभीर संकट की परिस्थिति में 15 साल की उम्र में परम पावन के कंधों पर राजनीतिक नेतृत्व का भार आ गया। उसके बाद 25 वर्ष की आयु में परम पावन को अपनी मातृभूमि से बाहर निर्वासित होने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने वहां अपना सब कुछ खो दिया लेकिन भारत से अन्याय और विश्वास के खिलाफ सच में अपनी उम्मीद को नहीं छोड़ा।

60 साल के निर्वासन के दौरान परम पावन को दुनिया भर में उन्हें बौद्ध धर्म और विज्ञान के संगम के रूप में लाखों लोगों का प्यार और सम्मान प्राप्त हुआ है। परम पावन व्यैक्तिकता और सार्वभौमिकता के विश्वकोष हैं। इससे अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि वह विविधता और एकता का प्रतिनिधित्व करने वाली भारत की नालंदा परंपरा के पथ प्रदर्शक हैं।

परम पावन दलाई लामा की इस 85वीं जयंती के शुभ अवसर पर मैंने पावन रूपी ज्ञान और बुद्धि के सागर से कुछ मोती निकालकर आपके सामने प्रस्तुत किया है। मैं कोर ग्रुप फॉर तिब्बती कॉज़- इंडिया की ओर से परम पावन दलाई लामा की बहुत ही सुखद और स्वस्थ जन्मदिन की कामना करता हूं। इस अवसर पर मैं यह भी प्रार्थना करता हूं कि परम पावन आने वाले अनेक वर्षों तक हमलोगों पर अपनी करुणा की बरसात करते रहें और हमारा मार्गदर्शन करें।

अंत में, मैं सभी सदस्यों से अनुरोध करता हूं कि वे इस संबंध में 06 जुलाई 2020 को किसी न किसी कार्यक्रम जरूर आयोजन करें। चाहे वह कार्यक्रम छोटा हो या बड़ा, इससे फर्क नहीं पड़ता है। इन कार्यक्रमों से अहिंसा और साधना का संदेश दिया जा सकता है जो परम पावन दलाई लामा के दृष्टिकोण का एक प्रमुख तत्व है।

हार्दिक प्रार्थना के साथ,
जय जगत !

आर के खिरमे

Central Office : H-10, 2nd Floor, Lajpat Nagar-III, New Delhi-110024, India, Tel.: 91+11-29830578, TelFax.: 91+11-29840968
E-mail : indiatibet7@gmail.com Website : indiatibet.com